ॐ श्री गणेशाय नमः

डॉ॰ √धातु √ धातु √ सुप् √ नामन् एक॰ द्वि॰ बहु॰

चरितं रघुनाथस्य शतकोटि प्रविस्तरम् ।
एकैकमक्षरं पुंसां महापातकनाशनम् ॥ १॥
ध्यात्वा नीलोत्पलश्यामं रामं राजीवलोचनम् ।
जानकीलक्ष्मणोपेतं जटामुकुटमंडितम् ॥ २॥
सासितूणधनुर्बाणपाणिं नक्तंचरान्तकम् ।
स्वलीलया जगत्रातुं आविर्भूतं अजं विभुम् ॥ ३॥

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १०० १०००

क का का कि की की कु कू कू कॅ के कै कॉ को कौ कं कः कँ

अ आ / आ इ ई / ई उ ऊ / ऊ
ऋ / ऋ ॠ / ॠ ऌ / ऌ ॡ / ॡ
ऍ ए ऐ ऑ / ऑ ओ औ अं / अं अँ अः

क् क् म् म्
क् ख् ग् घ् ङ् / ङ्
च् / च् छ् / छ् ज् झ् ञ् / ञ्
ट् ठ् ड् ढ् ण्
त् थ् द् ध् न्
प् फ् ब् भ् म्
य् र् ल् व् / व्
श् ष् स् ह् ळ् / ळ्
क्ष् / क्ष् ज्ञ् / ज्ञ् / ज्ञ् श्

क ख ग घ ङ / ङ
च छ ज झ ञ / ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व / व
श ष स ह ळ / ळ
क्ष / क्ष त्र ज्ञ / ज्ञ / ज्ञ श्र
क़ ख़ ग़ फ़ ज़ ज़

क का कि की कु कू क़
स सा सि सी सु सू
खृ खे खै खं खः खँ खँ
डे डै डं डः डॅ डँ
ळ गृ गॄ र्ग
ऍ ऑ ऍक्ट
ऑफ़िस् फ़ैक्ट कॉल कोल् फ़ॉल
डँ ॐ ॐ ओम् ऊँ
राम्म् रामं रामं रामँ
रामॅ राम्म् रामौ रामाः
राम , राम । राम - राम ! (राम) 'राम'
''राम'' राम : राम ; रामः रामः राम ?
राम् राम् राम